‘तानसेन समारोह’

चर्चा में क्यों?

26 दसिंबर, 2021 को भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश और दुनिया के सर्वाधकि प्रतष्ठिति महोत्सव वशि्व संगीत समागम ‘तानसेन समारोह’का संगीतधानी ग्वालयिर में भव्य एवं रंगारंग शुभारंभ हुआ।

प्रमुख बदिु

- ग्वालयिर के हजीरा स्थति संगीत सम्राट तानसेन की समाधि के समीप सद्धिेश्वर मंदरि ओंकारेश्वर की थीम पर बने भव्य एवं आकर्षक मंच पर अतथियों ने कन्या पूजन कर तानसेन समारोह का वधिवित शुभारंभ कयिा गया।
- समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में देश के सुप्रतष्ठिति सतिार वादक पं. कार्तकि कुमार (मुंबई) और सुवख्यिात घट्म वादक पँभूषण पं. वक्कि वनिायकरम (चेन्नई) को क्रमश: वर्ष 2013 और 2014 के ‘राष्ट्रीय कालदिास सम्मान’से अलंकृत कयिा गया।
- दोनों मूर्धन्य संगीत साधकों को राष्ट्रीय कालदिास सम्मान के रूप में 2 लाख रुपए की आयकर मुक्त सम्मान राशा, प्रशस्तपिटकिा एवं शॉल-श्रीफल भेंट कयि गए।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री शवराज सहि चौहान ने तानसेन अलंकरण एवं कालदिास अलंकरण की सम्मान राशा को बढ़ाकर 5-5 लाख रुपए करने तथा तानसेन समारोह की तर्ज़ पर संगीत सम्राट तानसेन के समकालीन महान संगीत मनीषी बैजू बावरा की स्मृतमिें ‘बैजू बावरा समारोह’का आयोजन भी शुरू करने की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री ने कहा कमिहान संगीत मनीषी तानसेन की याद में आयोजति होने वाले तानसेन समारोह का शताब्दीवाँ समारोह वर्ष 2024 में धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया जाएगा।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री शवराज सहि चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सहि तोमर और केंद्रीय नागरकि उडन्न्यन मंत्री ज्योतरादित्य सधिया सहति अन्य अतथियों ने पं. रवशिंकर पर केंद्रति एक पुस्तक का वमिोचन भी पर कयिा।
- गौरतलब है कसिंधिया राज्यकाल में ही सन् 1924 में तानसेन समारोह का शुभारंभ हुआ था। यह 97वाँ तानसेन समारोह है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tansen-ceremony